*271. [*Transferred to the 19th December, 1991*].

Shortage of Manpower for Direct tax Collection

*272. SHRI H. HANUMANTHAPPA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the direct tax collection has suffered because of shortage of manpower at crucial points; and

(b) what steps Government propose to augment the manpower so as to increase the direct tax collection?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) In the current year, the direct tax collections between April to November have totalled up to Rs. 4692 crores, compared to only Rs. 3443 crores during the corresponding period in 1990-91, thus registering a 36.27 percent increase. This increase is attributable to the impact of additional resource mobilisation measures introduced in the last Budget as well as to higher realisation of arrears.

(b) The manpower required for tax collection purposes is assessed from time to time and necessary increases allowed as assessed. Proposals for further augmentation of the staff strength, over the present levels are now under consideration, based on the report of the Cadre review Committee.

देश में सोने की उपलब्धता में वृद्धि

*273. **श्री जे० पी० जवलि** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सोने का वार्षिक उत्पादन मात्र 2 टन है जबकि जनता द्वारा इसकी अनुमानित मांग 200 से 300 टन है;

(ख) क्या मांग और पूर्ति के इस अत्यधिक अन्तर के कारण सोने की तस्करी होती है; और

(ग) यदि हां, तो सोने की मांग को अधिकारिक माध्यमों से पूरा करने के लिये क्या-क्या कदम उठाये जाने पर विचार किया जा रहा है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) पिछले कुछ वर्षों में सोने का वार्षिक घरेलू उत्पादन 2 टन प्रति वर्ष से कुछ अधिक रहा है। देश में सोने की मांग के संबंध में सरकार के पास कोई विश्वसनीय या वास्तविक अनुमान नहीं है।

(ख) यह अनुमान है कि मांग और पूर्ति के बीच काफी अन्तर है जिसके परिणामस्वरूप सोने की तस्करी होती है।

(ग) सरकार सोने की घरेलू मांग की पूरी तरह पूर्ति करने के लिए कोई उपाय करना आवश्यक नहीं समझती क्योंकि सोना एक आवश्यक वस्तु नहीं है। किसी भी स्थिति में, अर्थव्यवस्था तथा विदेशी मुद्रा की कठिनाइयों के मौजूदा हालात में पूरी तरह सरकारी माध्यम के जरिए सोने की मांग को पूरा करना व्यवहार्य नहीं होगा।

Pension Scheme for Class III and IV Employees of LIC

*274. PROF. **SAURIN BHATTACHARYA**: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether any memoranda have been received by Government regarding the introduction of Pension Scheme for Class III and IV employees of Life Insurance Corporation in lieu of employer's contribution to their C.P.F. on the lines of the Pension Scheme for employees of the Reserve Bank of India;

(b) if so, what action has been taken in this regard; and